

दुरागमन पुं. (तद्.) दे. दविरागमन।

दुराग्रह पुं. (तत्.) बेकार की हठ या जिद, किसी बात पर अनुचित रूप से अड़ जाना।

दुराग्रही वि. (तत्.) अनुचित रूप से हठ करने वाला, जिद्दी, दुराग्रह करने वाला।

दुराचरण, दुराचार पुं. (तत्.) बुरा व्यवहार, दुष्ट आचरण, निंदनीय आचरण, अनाचार, दुष्टाचार।

दुराचारिता स्त्री. (तत्.) दुराचार करने की प्रवृत्ति या भाव।

दुराचारी वि. (तत्.) चरित्रहीन, दुराचरण करने वाला, निंदनीय आचरण करने वाला।

दुरात्मा वि. (तत्.) दुष्ट प्रकृति वाला, बुरा आचरण करने वाला, बुरा व्यक्ति।

दुराधर्ष वि. (तत्.) कठिनता से दबाने योग्य, दुर्जेय, अवश्य, जिसका पराभव कठिन हो पुं. 1. विष्णु 2. पीले रंग की सरसों।

दुराना अ.क्रि. (तद्.) दूर हो जाना, भागना, छिपना स.क्रि. छिपाना, आँखों से ओझल करना, छोड़ना, हटाना।

दुराप वि. (तद्.) कठिनता से प्राप्य, दुर्लभ, सरलता से न मिल सके, दुष्प्राप्य।

दुराराध्य वि. (तत्.) जिसका आराधन (प्रसन्न करना) कठिन हो, जिसका आराधन कष्टसाध्य हो पुं. विष्णु।

दुरारुह वि. (तत्.) जिस पर चढ़ने में कठिनता हो पुं. नारियल, खजूर, ताल या ताड़ का वृक्ष, बेल।

दुरारोह पुं. (तत्.) दे. दुरारुह।

दुरालाप पुं. (तत्.) 1. अशिष्ट वार्ता 2. दुर्वचन, गाली।

दुरालापी वि. (तत्.) बुरा वचन कहने वाला, अप्रिय भाषी या कटु वक्ता पुं. अशिष्ट वार्ता।

दुराव पुं. (तत्.) छिपाव, किसी से किसी बात को छिपाने का भाव, छल-कपट से बात छिपाए रखने की स्थिति, छल।

दुराशय पुं. (तत्.) 1. खराब आशय, बदनीयती 2. बुरा स्थान, दुष्टात्मा वि. बुरे आशय वाला, जिसकी नीयत ठीक न हो, निंद्य विचार वाला, नीच हृदय का।।

दुराशा स्त्री. (तत्.) पूरा न होने वाली आशा, झूठी आशा या झूठी तसल्ली, अनुचित आकांक्षा।

दुरित पुं. (तत्.) 1. पाप, दुराचरण, पातक या उपपातक 2. दुष्टता 3. भय 4. कुमार्ग 5. संकट वि. 1. पापी, दुराचारी व्यक्ति, छिपकर दुराचरण करने वाला 2. कठिन 3. छिपा हुआ।

दुरियाना स.क्रि. (देश.) दूर हटाना, दूर दुराना, तिरस्कारपूर्वक भगाना।

दुरुक्त पुं. (तत्.) अनुचित ढंग से कथित (बात), अनुचित कथन या उक्ति, बुरा कथन वि. बुरी तरह से कहा हुआ।

दुरुखा वि. (फा.) 1. जिसके दोनों ओर रुख हो 2. दोनों ओर चिह्न वाली वस्तु 3. दो प्रवृत्तियों वाला व्यक्ति 4. दोनों ओर छपाई वाला वस्त्र आदि।

दुरुत्तर वि. (तत्.) जिसका उत्तर देना कठिन हो पुं. अनुपयुक्त उत्तर, अशिष्ट उत्तर, अनिष्ट उत्तर।

दुरुपयोग पुं. (तत्.) गलत उपयोग, अनुचित उपयोग विनो. सदुपयोग।

दुरुपयोजन पुं. (तत्.) प्राकृतिक संसाधनों का अति दोहन, शोषण वि. समुपयोजन।

दुरुस्त वि. (फा.) 1. सही स्थिति वाला, सही, उचित 2. स्वस्थ 3. त्रुटिरहित, दोषहीन 4. वास्तविक, उपयुक्त उचित मुहा. दुरुस्त करना-सुधारना, किसी को दंड देना।

दुरुस्ती स्त्री. (फा.) 1. दुरुस्त करने की क्रिया 2. सुधार शुद्धता।

दुरूह वि. (तत्.) कठिनता से समझे जाने योग्य, जिसे जानना कठिन हो, गूढ़, दुर्बोध, दुर्जेय।

दुरूहता स्त्री. (तत्.) कठिनता, गूढ़ता, दुर्बोधता।